



## संथाल वदिरोह की 169वीं वर्षगाँठ

### चर्चा में क्यों?

हाल ही में संथाल वदिरोह की 169वीं वर्षगाँठ मनाई गई। प्रधानमंत्री ने संथाल जनजात समुदाय के बलदान और वीरता को नमन किया।

### मुख्य बदि:

- ब्रिटिश राज के खिलाफ वदिरोह की सबसे प्रसिद्ध घटनाओं में से एक संथाल वदिरोह वर्ष 1855 और 1857 में हुआ था
- यह भारत का पहला बड़ा कृषि वदिरोह था, जो वर्ष 1793 में स्थायी बंदोबस्त के कार्यान्वयन से प्रेरित था
- इसका नेतृत्व चार भाइयों सिद्धो, कान्हो, चाँद और भैरव मुरूमू ने बहनों फूलो एवं झानो के साथ मलिकर किया था तथा यह बिहार के क्षेत्रों में फैला था।

### संथाल जनजाति

- संथाल भारत में गोंड और भील के बाद तीसरा सबसे बड़ा अनुसूचित जनजात समुदाय है।
- उनकी सबसे बड़ी संख्या देश के पूर्वी भाग में बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल और उड़ीसा राज्यों में है।
- भाषा:
  - उनकी भाषा संथाली है, जो मुंडा (ऑस्ट्रोएशियाटिक) भाषा खेरवारी की एक बोली है।
  - ओल चिकी लिपि (Ol Chiki Script) में लिखी जाने वाली संथाली को संविधान की आठवीं अनुसूची में अनुसूचित भाषाओं में से एक के रूप में मान्यता प्राप्त है।
- धर्म:
  - वे प्रकृत पूजक हैं और उन्हें अपने गाँवों में जाहेर (पवतिर उपवन) में श्रद्धा अर्पित करते देखा जा सकता है।
- व्यवसाय:
  - अधिकांश संथाल कृषक हैं, जो अपने खेतों या वनों पर निर्भर हैं।
  - मौसमी वन संग्रह उनकी सहायक आय के महत्वपूर्ण स्रोतों में से एक है।